मत कर तू अभिमान रे बंदे, जूठी तेरी शान रे । मत कर तू अभिमान ॥

मत कर तू अभिमान रे बंदे, जूठी तेरी शान रे ।
मत कर तू अभिमान ॥

तेरे जैसे लाखों आये, लाखों इस माटी ने खाए ।
रहा ना नाम निशान रे बंदे, मत कर तू अभिमान ॥

माया का अन्धकार निराला, बाहर उजला अन्दर काला ।
इस को तू पहचान रे बंदे, मत कर तू अभिमान ॥

तेरे पास हैं हीरे मोती, मेरे मन मंदिर में ज्योति ।

Source:
https://www.bharattemples.com/mat-kar-tu-abhimaan-re-bande-jhooti-teri-shaan-re/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw